



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड ( ii )

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 368 ]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 31, 2000/ज्येष्ठ 10, 1922

No. 368]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 31, 2000/JYAI'STHA 10, 1922

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मई, 2000

**का.आ. 529(अ).**—केंद्रीय सरकार ने, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन कतिपय दस्तावेजों को फाइल करने में अन्तर्विष्ट अधियोजन से उन्मुक्ति प्रदान करने और विलम्ब की अवधि के प्रशमन के लिए कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 नाम से एक स्कीम बनाने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 637 के साथ पठित धारा 637ख के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 है।
- (2) यह 1 जून, 2000 को प्रवृत्त होगी।

#### 2. परिभाषाएँ :—

इस स्कीम में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से कंपनी अधिनियम, 1956 अभिप्रेत है;
- (ख) "कंपनी" से अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत सभी कंपनियां अभिप्रेत हैं और इसमें सरकारी कंपनियां और भारत से बाहर उस विस्तार के भीतर, जहां अधिनियम लागू होता है, निर्गमित कंपनियां सम्मिलित हैं;
- (ग) "घोषणाकर्ता" से इस स्कीम के अन्तर्गत घोषणा करने वाली कंपनी अभिप्रेत है और इसमें ऐसी कंपनी का, इस स्कीम के अन्तर्गत फाइल की गई घोषणा में वर्णित अपराध के संबंध में, अधिनियम की धारा 2 के खंड 30 में यथा परिभाषित अधिकारी सम्मिलित है;
- (घ) "अभिहित प्राधिकारी" से अधिसूचना की तारीख को कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पर अधिकारिता रखने वाला कंपनी रजिस्ट्रार अभिप्रेत है;
- (ङ) "अपराध" से अधिनियम में विनिर्दिष्ट किन्हीं दस्तावेजों को फाइल करने के संबंध में अधिनियम के उपबंधों का ऐसा अननुपालन अभिप्रेत है, जिस अननुपालन के संबंध में जुर्माना या कारावास या दोनों विहित किए गए हैं, किन्तु इसमें स्कीम के खंड 8 में निर्दिष्ट अननुपालन सम्मिलित नहीं है;

(च) अन्य सभी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्कीम में परिभाषित नहीं है, किन्तु अधिनियम में परिभाषित है, क्रमशः वहाँ अर्थ होगा जो अधिनियम में उनका है।

### 3. अपराधों का समाधान

कोई कंपनी, इस स्कीम के उपबंधों के अधीन रहते हुए, 1 जून, 2000 को या उसके पश्चात्, किन्तु 31 अगस्त, 2000 के साथ 5-00 बजे तक या उससे पूर्व, अभिहित प्राधिकारी को, अधिनियम के अधीन किए गए किसी अपराध की बाबत, विहित फीस के संदाय के प्रमाण के साथ, अभिस्वीकृति के अधीन घोषणा कर सकेगा और इस प्रकार किए गए उपराध के समाधान की वांछा कर सकेगा।

### 4. आवेदक द्वारा रजिस्ट्रार को फाइल की जाने वाली घोषणा

स्कीम के अधीन घोषणा, अधिकारिता रखने वाले अभिहित प्राधिकारी को प्ररूप 'क' में की जाएगी।

### 5. स्कीम के अधीन उन्मुक्ति की वांछा के लिए फीस के संदाय का समय और विधि

घोषणाकर्ता, विलम्ब की अवधि के आधार पर एक मुश्त राशि का संदाय करेगा और नीचे दी गई सारणी में कथित एक मुश्त राशि के अलावा अधिनियम की अनुसूची X के अनुसार अभिहित फाइलिंग फीस का संदाय करेगा :—

क्रम सं.	दस्तावेजों की संख्या	3 वर्ष से न्यून विलंब के लिए संदेय राशि	3 वर्ष से अधिक विलंब के लिए संदेय राशि
(क)	2 तक	2,500 रु.	3,000 रु.
(ख)	5 तक	5,000 रु.	6,000 रु.
(ग)	10 तक	7,500 रु.	9,000 रु.
(घ)	10 से अधिक	10,000 रु.	15,000 रु.

संदेय राशि को चालान फार्म के साथ पंजाब नेशनल बैंक की अभिहित शाखाओं में से किसी में या कंपनी रजिस्ट्रार को संदाय आदेश/संदेय मांग ड्राफ्ट द्वारा जमा किया जाएगा। स्कीम के अधीन उन्मुक्ति की वांछा के लिए संदाय की गई किसी राशि का, किसी भी स्थिति में प्रतिदाय नहीं किया जाएगा।

### 6. अपराध के लिए चालू किए गए अभियोजन के विरुद्ध अपील का वापिस लिया जाना

यदि कंपनी ने, अधिनियम के अधीन किसी उपबंध के ऐसे अतिक्रमण के लिए जारी किसी सूचना के विरुद्ध कोई अपील फाइल की है, जिसकी बाबत स्कीम के अधीन घोषणा की गई है, तो घोषणाकर्ता, अपील को वापिस लेगा और घोषणा के साथ अपील को वापिस लेने का प्रमाण भी प्रस्तुत करेगा।

### 7. अभिहित प्राधिकारी द्वारा शास्ति और अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान करने का आदेश

अभिहित प्राधिकारी, घोषणा पर विचार करेगा और समाधान हो जाने पर लिखित में एक आदेश पारित करेगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उन्मुक्ति प्रदान करने के कारणों का कथन होगा।

### 8. स्कीम कतिपय अपराधों को लागू नहीं

(1) यह स्कीम, कंपनी की प्राधिकृत पूँजी को, बढ़ाने की बाबत, जिसमें विलम्ब की प्रज्ञापना फाइल करने के लिए विनिर्दिष्ट व्याज का संदाय किया जाता है, प्ररूप संख्या 5 को फाइल करने और अधिनियम के ऐसे अन्य उपबंधों को, जहाँ कंपनी विधि बोर्ड या केंद्रीय सरकार का विनिर्दिष्ट अनुमोदन लिया जाता है, लागू नहीं होगी :

परन्तु स्कीम ऐसी प्रज्ञापनाओं को लागू होगी, जिन्हें कंपनी रजिस्ट्रार को, विहित फीस के साथ भेजा जाना है किन्तु जिनके लिए विनिर्दिष्ट प्ररूप विनिर्दिष्ट नहीं किए गए हैं।

(2) यह स्कीम अधिनियम के उपबंधों के ऐसे अनुपालन को भी लागू नहीं होगी, जिनके लिए केवल कारावास की शास्ति विहित की गई है।

9. कंपनी रजिस्ट्रार, समुचित आदेश पारित करने के पश्चात् ऐसे सम्बद्ध न्यायालय या क्षेत्रीय निदेशक या कंपनी विधि बोर्ड को सूचित करेगा, जिसके समक्ष समुचित मामलों में अभियोजन का मामला या प्रशमन आवेदन लंबित है।

प्ररूप “क”

**कंपनी विधि समाधान स्कीम 2000 के अधीन घोषणा  
घोषणा का प्ररूप**

सेवा में,

कंपनियों का रजिस्ट्रार

---



---



---



---

महोदय/महोदया,

मैं/हम कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के अधीन घोषणा करता हूँ/करते हैं और निम्नलिखित विशिष्टियां देता हूँ/देते हैं,  
अर्थात्:—

1. घोषणा करने वाले का नाम  
(पूरा नाम) और पता :
2. कंपनी का नाम :
3. कंपनी की रजिस्ट्रीकरण संख्या :
4. कंपनी की निगमन की तारीख :
5. कंपनी का पता :
6. कंपनी की प्रास्थिति : क्या पब्लिक/प्राइवेट है यदि पब्लिक है सूचीबद्ध/सूचीबद्ध नहीं है :
7. कंपनी का कारबाह/उद्देश्य :

(समुचित स्तरमें सही का निशान लगाएं)

विनिर्माण	<hr/>	<hr/>
व्यापार	<hr/>	<hr/>
वित्तीय	<hr/>	<hr/>
सेवा	<hr/>	<hr/>
अन्य (कृपया विचिह्नित करें)	<hr/>	<hr/>

8. अननुपालन की घोषणा का विवरण

क्रम सं.	लाप्ती की प्रकृति जो फाइल की जानी है	धारा जिसके अधीन फाइल की जानी है	अपराध की प्रास्थिति (क्या वह अभी चालू है)

क्रम सं.	दस्तावेज की प्रकृति	फाइल करने की नियत तारीख	विलम्ब की अवधि	कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के अधीन संदेश रकम (रुपयों में)	संदाय के बारे (क) मांग ड्राफ्ट सं. (ख) तारीख (ग) बैंक का नाम (घ) रकम (रुपयों में)

कंपनी का रजिस्ट्रीकृत संख्यांक

प्रबंध निदेशक/पूर्ण कालिक निदेशक/निदेशक/प्रबंधक/कंपनी सचिव के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

10. क्या कंपनी की तरफ से घोषणाकर्ता अननुपालन के लिए उन्मुक्ति लेना चाहेंगे।

11. निवेदन :

ऊपर उल्लिखित परिस्थितियों को देखते हुए और आवेदक/कंपनी द्वारा किए गए अपराध की स्वीकृति को ध्यान में रखते हुए, अपराध की प्रकृति, व्याप्ति, विस्तार, गम्भीरता, गहनता को विचार में लेकर, स्वयं आवेदक/कंपनी अननुपालन के लिए मुक्ति के रूप में उन्मुक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करता है/करती है।

12. संलग्नकों की सूची

आवेदक का पदनाम/हस्ताक्षर

(घोषणाकर्ता की मुद्रा)

स्थान :

तारीख :

## सत्यापन

मैं —————— श्री —————— का पुत्र/पुत्री/पत्नी —————— कंपनी में ——————

की मेरी क्षमता में सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि ——————

(क) इस घोषणा में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

(ख) कंपनी ऊपर यथाविनिर्दिष्ट कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों का पालन करने में चूक गई थी।

(ग) मैंने न्यायालय/कंपनी विधि बोर्ड/क्षेत्रीय निदेशक या अन्य न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के समक्ष लंबित अपील वापिस ले ली है।

मैं यह और घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि यह घोषणा मेरे प्रबंध निदेशक/निदेशक के रूप में मेरी क्षमता के अधीन है और मैं इस घोषणा को करने और सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

आवेदक का पदनाम/हस्ताक्षर

तारीख :

स्थान :

(घोषणाकर्ता की मुद्रा)

कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के अन्तर्गत शास्ति और अभियोजन से उन्मुक्ति देने हेतु प्रमाणपत्र

————— (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) ने कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के अन्तर्गत एक घोषणा की थी और घोषणा के साथ नीचे वर्णित दस्तावेज फाईल किए थे और उक्त घोषणा के अनुसार संदेय —————— रूपए की प्रशमन फीस भी संदर्भ की थी;

क्रम सं.	फाइल किए जाने वाले विवरण का स्वरूप	किस धारा के अन्तर्गत फाईल किया जाना है
----------	------------------------------------	--

और आवेदक ने यह भाँ घोषणा की थी कि ऐसे आवेदक द्वारा किसी भी न्यायालय/कंपनी विधि बोर्ड/क्षेत्रीय निदेशक के समक्ष संदेय जुर्माने की जाबत किसी सूचना या आदेश के विरुद्ध कोई भी याचिका या अपील फाईल नहीं की गई थी/न्यायालय/कंपनी विधि बोर्ड/क्षेत्रीय निदेशक से ऐसी अपील/रिट याचिका वापस ले ली गई थी।

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी इस स्कीम के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रयोजनों से उक्त कंपनी को यह प्रमाणपत्र जारी करता है;

(क) इस स्कीम के अन्तर्गत प्रशमन फीस के पूर्ण और अंतिम समाधान मद्दे के लिए घोषणाकर्ता से संदाय की प्राप्ति को प्रमाणित करना।

(ख) घोषणाकर्ता द्वारा की गई उपर्युक्त घोषणा के अन्तर्गत आने वाले मामलों के संबंध में स्कीम में अन्तर्विष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए कंपनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत किसी भी अपराध के लिए अभियोजन संस्थित करने और कार्यवाही करने से या तत्समय प्रवृत्त उक्त अधिनियमिति के अन्तर्गत शास्ति अधिरोपित करने से, उन्मुक्ति प्रदान करना।

तारीख :

स्थान :

अभिहित प्राधिकारी

[ फा. सं. 1/5/2000 से एल-V ]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के उपबंधों का स्पष्टीकरण करने वाले खंडों पर टिप्पण :

खंड 1 कंपनी विधि समाधान स्कीम, 2000 के अधीन संदेय जुर्मानों के शीघ्र समाधान के लिए स्कीम के संक्षिप्त नाम और प्रारंभ से संबंधित हैं। इस खंड में, केन्द्रीय सरकार द्वारा, स्कीम के प्रवृत्त होने के लिए, अधिसूचना की विहित तारीख भी अंतर्विष्ट है। खंड 2 में स्कीम में प्रयुक्त कलाप शब्दों और पदों की परिभाषा है।

खंड 3 अपराधों के समाधान और उस रीति के लिए, जिसमें समाधान किया जाना है, उपबंध करता है।

खंड 4 यह उपबंध करता है कि स्कीम के अधीन, अभिहित प्राधिकारी को एक विशिष्ट प्ररूप में घोषणा की जाएगी।

खंड 5 स्कीम के अधीन उन्मुक्ति की वांछा करने के लिए फीस के संदाय का समय और रीति का उपबंध करता है। यह भी उपबंध करता है कि खंड 4 के अधीन दी गई घोषणा के अनुसरण में उन्मुक्ति को वांछा के लिए संदत्त राशि का किसी भी सूरत में प्रतिदाय नहीं किया जाएगा।

खंड 6 अपराधों के लिए चालू किए गए अभियोजन के विरुद्ध अपील वापिस लेने के लिए उपबंध करता है।

खंड 7 यह विनिर्दिष्ट करता है कि: आँगत प्राधिकारी घोषणा पर विवर करेगा और विवार करने के पश्चात् लिखित में आदेश पारंपर करेगा, जिसमें ऐन वातों के भाथ-साथ उन्मुक्ति प्रदान करने के कारणों का कथन होगा।

खंड 8 ऐसी परिस्थितियों को विनिर्दिष्ट करता है जिनके अधीन स्कीम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

खंड 9 यह विनिर्दिष्ट करता है कि कंपनी रजिस्ट्रार, समुचित आदेश पारित करने के पश्चात् ऐसे संबंधित न्यायालय या क्षेत्रीय निदेशक या कंपनी विधि बोर्ड को सूचित करेगा, जिसके समक्ष समुचित मामलों में अभियोजन का मामला या प्रशमन आवेदन लंबित है।

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 2000

**S.O. 529(E).— Whereas the Central Government has decided to make a Scheme namely, the Company Law Settlement Scheme, 2000 for granting immunity from prosecution and compounding the period of delay involving in filing certain documents under the Companies Act, 1956 ( 1 of 1956);**

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of section 637B read with section 637 of the said Act, the Central Government hereby notifies the following Scheme, namely:-

#### Short title and commencement.

(1) This Scheme may be called the Company Law Settlement Scheme, 2000.

(2) It shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of June, 2000.

## 2. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires, —

- (a) "Act" means the Companies Act, 1956 ;
- (b) "company" means all companies registered under the Act and includes Government companies and companies incorporated outside India to the extent to which the Act is applicable;
- (c) "declarant" means the company making the declaration under this Scheme and includes an officer of such company as defined in clause 30 of section 2 of the Act in relation to the offence mentioned in the declaration filed under this Scheme;
- (d) "designated authority" means the Registrar of Companies having jurisdiction over the registered office of the company on the date of notification;
- (e) "offence" means the non-compliance with the provisions of the Act in relation to the filing of any documents specified in the Act in respect of non-compliance of which a fine or imprisonment or both has been prescribed but shall not include any non-compliance referred to in clause 8 of this scheme.
- (f) All other words and expressions used and not defined under this Scheme, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act;

## 3. Settlement of offences.

Subject to the provisions of this Scheme, any company may make a declaration alongwith proof of payment of prescribed fee under acknowledgement on or after the 1<sup>st</sup> June,2000 but on or before 5.00 PM of 31<sup>st</sup> August,2000 to the designated authority in respect of any offence committed under the Act and seek settlement of the offence so committed.

## 4. Declaration to be filed by the applicant with the Registrar

The declaration under the Scheme shall be made to the designated authority, having the jurisdiction, in Form A.

**5. Time and manner of payment of fees for seeking immunity under the Scheme.**

The declarant shall pay lump sum amount based on the period of delay and the nominal filing fees as per Schedule X to the Act, apart from the lump sum amount as stated in the table given below:-

Sl. No:	Number of documents	Amount payable for delay less than 3 years	Amount payable for delay for period more than 3 years
a)	Upto 2	Rs.2,500	Rs.3,000
b)	Upto 5	Rs.5,000	Rs.6,000
c)	Upto 10	Rs.7,500	Rs.9,000
d)	More than 10	Rs.10,000	Rs.15,000

The amount payable shall be deposited alongwith a challan Form in any of the designated Branches of Punjab National Bank or by way of Pay Order/Demand Draft payable to the Registrar of Companies. Any sum paid for seeking immunity under the Scheme shall not be refundable under any circumstances.

**6. Withdrawal of appeal against prosecution launched for the offences**

If the company has filed any appeal against any notice issued for violation of the provisions under the Act in respect of which declaration is made under this Scheme, the declarant shall withdraw the appeal and furnish the proof of such withdrawal along with the declaration.

**7. Order by designated authority granting immunity from the penalty and prosecution.**

The designated authority shall consider the declaration and upon being satisfied shall pass an order in writing inter-alia stating the reasons for granting the immunity.

**8. Scheme not to apply to certain offences.**

(1) This Scheme shall not apply to the filing of Form Number 5 relating to increase in authorised capital of the company for which specific interest has to be paid for filling the intimation for the delay and such other provisions of the Act where specific approval of the Company Law Board or Central Government is to be obtained:

Provided that the Scheme shall apply to such intimations which are to be submitted to Registrar of Companies along with a prescribed fees but for which no specific form has been specified.

(2) This Scheme shall also not apply for non-compliance of the provisions of the Act where the penalty of imprisonment only has been prescribed.

9. After passing the appropriate order, Registrar of Companies shall inform the concerned Court or Regional Director or Company Law Board before whom the matter for prosecution or compounding application is pending in appropriate cases.

**FORM – 'A'**  
**DECLARATION UNDER**  
**COMPANY LAW SETTLEMENT SCHEME 2000**

**Form of Declaration**

To

The Registrar of Companies,

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Sir/Madam,

I/We herewith make a declaration under the Company Law Settlement Scheme, 2000 and give below the following particulars, namely:-

1. Name of the declarant and Address:  
(in Block letters)
2. Name of the Company:
3. Registration No. of company:
4. Date of incorporation of the company:
5. Address of the Company:
6. Status of the company: whether public/private

If public                      Listed/Non-listed

**7. Business/objects of the company:**  
 (Tick in appropriate column)

- Manufacturing
- Trading
- Finance
- Service
- Others (please specify)

**8. Statement of Declaration of non-compliance**

Sl.No	Nature of return to be filed	Section under which to be filed	Status of offence (whether still Continuing)

**9.**

Sl.No	Nature of document	Due date of filing	Period of delay	Amount payable under Company Law Settlement Scheme 2000 (Rs.)	Details of payment
					a) Demand Draft No. b) Date c) Name of Bank d) Amount (Rs)

Company Registration No.

Signature of the Managing Director / Whole Time Director / Director / Manager / Company Secretary

**10. Whether declarant on behalf of the company would like to be granted immunity for non-compliance ?**

**11. Submission:**

In light of the circumstances herein mentioned above and keeping in mind the admission of the offence by the applicant/company and taking into consideration the nature, scope, extent, seriousness, gravity of the offence, the applicant/company, himself requests for the grant of immunity in the form of relief for non-compliance.

**12. List of enclosures.**

**Designation/Signature of the applicant**

**Place:**

**Date:**

**(SEAL OF DECLARANT)**

**VERIFICATION**

I.....son/daughter /wife of Shri.....in my capacity as.....in the company, solemnly declare that –

- (a) the information given in this declaration is true to the best of my knowledge and belief.
- (b) The company had failed to comply with the provisions of the Companies Act, 1956 as mentioned above.
- (c) I have withdrawn the appeals pending before Court/Company Law Board /Regional Director or other adjudicating authority.

I further declare that this declaration is in my capacity as the Managing Director/Director and that I am competent to make this declaration and verify it.

**Designation/Signature of the applicant**

**Date:**

**Place:**

**(SEAL OF DECLARANT)**

**CERTIFICATE GRANTING IMMUNITY FROM PENALTY AND PROSECUTION UNDER THE COMPANY LAW SETTLEMENT SCHEME, 2000**

Whereas \_\_\_\_\_ (hereinafter referred to as the company) had made a declaration under the Company Law Settlement Scheme, 2000, and had filed the documents mentioned below along with the declaration and also paid the compounding fee of Rs. \_\_\_\_\_ payable as per the said declaration:

S.No.	Nature of return to be filed	Section under which to be filed

And whereas the applicant had also declared that no petition or appeal before any Court/Company Law Board/ Regional Director against any notice or order in respect of the fine payable has been filed by such applicant / had withdrawn such appeal /writ petition from the Court/Company Law Board/Regional Director.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under this scheme, the Undersigned hereby issues this certificate to the said company to:

- (a) certify receipt of payment from the declarant towards full and final settlement of the compounded fee payable under this scheme;
- (b) grant immunity subject to the provisions contained in the scheme from instituting and proceeding for prosecution for any offence under the Companies Act, 1956 or from the imposition of penalty under the said enactment for the time being in force in respect of matters covered in the aforesaid declaration made by the declarant.

Date:

Place:

Designated Authority

[F. No. 1/5/2000-CL-V]  
A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

## NOTES ON CLAUSES EXPLAINING THE PROVISIONS OF THE COMPANY LAW SETTLEMENT SCHEME, 2000

Clause 1 relates to short title and commencement of the scheme for early settlement of fines payable under the Company Law Settlement Scheme, 2000. This clause also contains the date of notification prescribed by the Central Government for the scheme to come into force.

Clause 2 contains the definition of certain terms and expressions used in the scheme.

Clause 3 seeks to provide for settlement of offences and the manner in which the settlement shall be made.

Clause 4 provides that a declaration under the Scheme will be made to the designated authority in a particular Form.

Clause 5 provides the time and manner of payment of fees for seeking immunity under the Scheme. It also provides that in no event the sum paid for seeking Immunity in pursuance of a declaration made under Clause 4 will be refunded.

Clause 6 seeks to provide about the withdrawal of appeal against prosecution launched for the offences.

Clause 7 specifies that designated authority shall consider the declaration and upon consideration shall pass an order in writing, inter-alia, stating the reasons for granting the immunity.

Clause 8 seeks to specify the circumstances under which provisions of the scheme will not be applicable.

Clause 9 specifies that after passing the appropriate order, Registrar of Companies shall inform the concerned Court or Regional Director or Company Law Board before whom the matter for prosecution or compounding application is pending in appropriate cases.